ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY:
DEPARTMENT.OF HINDI
SYLLABUS: 2013-2014
M.A. (HINDI) LANGUAGE & LITERATURE

I SEMESTER

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)।
2. भारतीय काव्य शास्त्र।
3. प्राचीन और मध्य युगीन हिन्दी कविता ।
4. गध्य साहित्य-नाटक,उपन्यास,कहानी संग्रह, निबंध।
5. विशेष अध्ययन (प्रेमचंद/नाटककार मोहन राकेश)।

II SEMESTER

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) ।
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र ।
3. आधुनिक कविता ।
4. भाषा विज्ञान ।
5. विशेष अध्ययन (दिनकर/बच्चन) ।

NON-CORE :(Papers open for other departments)

6. हिन्दी भाषा की संरचना ।

ACHARYA NAGARJUNA UNIVERSITY:
DEPARTMENT.OF HINDI
SYLLABUS: 2013-2014
M.A. (HINDI) LANGUAGE & LITERATURE

III SEMESTER

1. राज भाषा हिन्दी -1 ।
2. भारतीय साहित्य ।
3. आन्ध्रों का हिन्दी साहित्य - काव्य धारा ।
4. अनुवाद विज्ञान ।
5. विशेष अध्ययन (कबीर/सूरदास) ।

NON-CORE :(Papers open for other departments)

6. अनुवाद विज्ञान और व्यवहार ।

IV SEMESTER

1. राज भाषा हिन्दी -II
2. हिन्दी और तेलुगु : तुलनात्मक अध्ययन ।
3. आन्ध्रों का हिन्दी साहित्य - गध्य ।
4. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का इतिहास ।
5. विशेष अध्ययन (छायावाद/छायावादोत्तर) ।

I-SEMESTER
PAPER-1: HISTORY OF HINDI LITERATURE
हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

पाठ्यांश

इकाई -1 साहित्येतिहास दर्शन और हिन्दी साहित्य का इतिहास । इतिहास और साहित्येतिहास, साहित्येतिहास का समाज, धर्म, दर्शन और संस्कृति से संबंध, साहित्येतिहास दर्शन, साहित्य के इतिहास के विविध दृष्टिकोण, साहित्येतिहास लेखन के विभिन्न अध्यायों के दृष्टिकोण, हिन्दी साहित्य का इतिहास, आधारभूत सामग्री, काल विभाजन और नामकरण,हिन्दी साहित्य के इतिहासों के इतिहास।

आदिकाल: आदिकाल का सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक संदर्भ और साहित्य के साथ संबंध, साहित्यिक चेतना, प्रवृत्तियाँ और काव्य-धारएँ, प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकार, कलात्मक अभिव्यंजन, काव्य-रूप और भाषा-शैली ।

इकाई -2 भक्तिकाल- भक्तिकाल का सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक संदर्भ और भक्तिआंदोलन, भक्ति संप्रदाय और भक्ति साहित्य, भक्ति कालीन साहित्यिक चेतना ।

इकाई - 3 निर्गुण भक्ति - निर्गुण भक्त कवि, प्रवृत्तियाँ और काव्या धाराएँ, प्रतिनिधि रचनाएँ ओर रचनाकार ।

इकाई - 4 सगुण भक्ति - सगुण भक्त कवि, प्रवृत्तियाँ और काव्या धाराएँ, प्रतिनिधि रचनाएँ ओर रचनाकार, कलात्मक अभिव्यंजना, काव्य-रूप, और भाषा-शैली, भक्ति काल की भक्तेतर रचनाएँ।

इकाई - 5 रीतिकाल - रीतिकालीन काव्य के विभिन्न प्रेरणास्त्रोत-काव्य शास्त्र, कामशास्त्र, काम ललित कलाएँ, रीतिकाव्य - आचार्यत्व एवं रचना धर्मिता, रीतिकाल का सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक संदर्भ और साहित्य के साथ संबंध, रीतिकाल की साहित्यिक चेतना, प्रवृत्तियाँ और काव्य धाराएँ, श्रृंगार और श्रृंगारेतर वीर, भक्ति, नीति और कलात्मक अभिव्यंजना, काव्य-रूप और भाषा - शैली, रीती काव्य का नैतिक स्वर ।

<u>पाठ्य पुस्तकें</u>:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2. हिन्दी साहित्या का इतिहास - संपादक, डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 23 दरियागंज, नई दिल्ली - 110002.

<u>सहायक ग्रंथ</u>:

1. हिन्दी साहित्य - उद्भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी , राजकमल प्रकाशन, 8- नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली -110 012.
2. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग -1) विश्ववाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्राकशन, वारणासी ।
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा, इलाहाबाद ।
4. हिन्दी साहित्य - बीसवीं शताब्दी - नन्ददुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास - राजनाथ शर्मा : विनोद पुस्तक मंदिर, रांगेयराघव, आगरा-2.

I-SEMESTER
PAPER-II: THEORY OF INDIAN LITERATURE
भारतीय काव्य शास्त्र

पाठ्यांश

1. भारतीय साहित्य सिद्दांत :

इकाई -1 **रस संप्रदाय**: रस संप्रदाय का इतिहास, रस की अवधारणा, भरत का रस सूत्र और रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, रस का स्वरूप-लौकिक एवं अलौकिक, रसास्वादि, सुख दुखात्मक रस ।

इकाई -2 **ध्वनि संप्रदाय**: ध्वनि संप्रदाय का इतिहास, स्फोट और ध्वनि, व्यंजना, ध्वनि भेद, ध्वनि की कोटियाँ, ध्वनि विरोधी अभिमत।

इकाई -3 **अलंकार संप्रदाय**: अलंकार संप्रदाय का इतिहास, अलंकार की अवधारणा-अस्थिर धर्म, वर्गीकरण, अलंकार और रस, रीति संप्रदाय – रीति सिद्दांत का इतिहास, रीति की अवधारणा, रीति के प्रकार, रीतियों का भौगोलिक व प्रादेशिक आधार, रीति और शैली, रीति और गुण ।

इकाई -4 वक्रोक्ति सिद्दांत और इतिहास, वक्रोक्ति की अवधारण, वक्रोक्ति के भेद, स्वाभावोक्ति और वक्रोक्ति, साहित्य, साहित्य की परिभाषा, शब्द और अर्थ, कवि स्वभाव : रचना प्रक्रिया, कवि स्वभाव और रीति, वक्रोक्ति और अभिव्यंजना ।

इकाई -5 औचित्य सिद्दांत: प्रमुख संस्थापनाएँ, औचित्य के भेद ।

पाठ्य पुस्तकें:

भारतीय काव्य शास्त्र : डॉ. विजयपाल सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

सहायक ग्रंथ:

1. भारतीय और साहित्य शास्त्र - आचार्य बलदेव उपाध्याय, नन्दकिशेर एण्ड चौक, वारणासी ।
2. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका - डॉ. भगीरथ मिश्रा ।
3. काव्य के रूप - गुलाब राय, आत्माराम अण्ड संस, दिल्ली ।
4. भारतीय काव्य शास्त्र: परंपरा और सिद्दांत - डॉ. हरिमहिन, आर्याना, पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली ।

I-SEMESTER
PAPER-III: OLD AND MEDIVAL POETRY
प्राचीन और मध्ययुगीन हिन्दी कविता

पाठ्यांश:

परंपरा और व्याख्या:

इकाई -1 **मध्ययुगीन कविता-पृष्ठभूमि**:भक्ति आन्दोलन और लोक जागरण, भक्ति काव्य: दर्शन और संप्रदाय, भक्ति काव्य, सामाजिक चेतना और मानवीय संदर्भ, मध्यकालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य ।

इकाई -2 **निर्गुण भक्ति काव्य**:कबीर और जायसी, कबीर काव्य प्रतिभा, भक्ति दर्शन, योग: रहस्यवाद, सामाजिक चेतना, अभिव्यंजना कौशल । जायसी: काव्य प्रतिभा, दर्शन, सूफी सिद्धांत और रहस्यवाद, पद्मावत में भारतीय संस्कृति तथा लोक जीवन के रूप, अभिव्यंजना कौशल ।

इकाई -3 **सगुण भक्ति काव्य**:कृष्ण भक्ति शाखा, सूरदास: काव्य प्रतिभा, मौलिक प्रसंगों की उद्भावना, शुद्धाद्वैत: पुष्टिमार्ग और सूरदास, ब्रज की लोक संस्कृति, प्रतिपाध्य वात्सल्य, भक्ति और श्रृंगार व रस राजत्व, अभिव्यंजना कौशला ।

इकाई -4 **सगुण भक्ति काव्य**:राम भक्ति शाखा तुलसीदास: काव्य प्रतिभा, दर्शन और भक्ति भावना, सांस्कृतिक चेतना और युग संदर्भ, लोक नायकत्व, प्रबंध पटुता, अभिव्यंजना कौशल ।

इकाई -5 **रीतीकालीन काव्य**: बिहारी: काव्य प्रतिभा, समास, शक्ति और समाहार शक्ति, मुक्तक परंपरा और बिहारी श्रृंगारिकता, अभिव्यंजना कौशल । घनानंद: काव्य प्रतिभा स्वच्छंद चेतना, प्रेमनुभूति, विप्रलंभ श्रृंगार, अभिव्यंजना कौशल ।

पाठ्य पुस्तकें:

1. पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय मात्र) - डॉ. हरिहरनाथ टेडन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा - 2.
2. अभिनव राष्ट्रभाषा पध्य संग्रह - संपादक - डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, अभिनव-भारती, 42-सम्मेलन मार्ग इलाहाबाद-211 003, कबीरदास - साखी, सबद, जायसी-मानसरोदक खण्ड मात्र ।

3. सूरदास- भ्रमरगीत सार (1-40 पद) संपादक - रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, वारणासी ।
4. तुलसीदास -"तुलसी संचयन" रामचरित मानस: (बालकांड मात्र) - संपादक डॉ.वि.पी. सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा - 2.
5. "रीतिकाव्य संग्रह"- संपादक डॉ.विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन मंदिर 15-ए गांधी रोड, इलाहाबाद। बिहारी 1-80 दोहा, घनानंद - 1-20 छन्द ।

<u>सहायक ग्रंथ</u>:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. रीतिकाल की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4. हिन्दी साहित्य में निर्गुण संप्रदाय - पीताम्बर दत बड़थ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लकनऊ ।
5. कबीर-हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6. जायसी - रामपूजन तिवारी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, बनारस ।
7. जायसी ग्रंथावली - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
8. गोस्वामी तुलसीदास - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
9. तुलसी काव्य मीमांसा - उदयभानु सिंह, राधाकृष्णा प्रकाशन, दिल्ली ।
10. सूरदास - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
11. सूरदास - नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. सूर साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
13. बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, व्ध्य मंदिर प्रेस, बनारस ।
14. बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह, हिन्दी प्रचार संस्थान, वारनासी ।
15. घनानंद कविता - भूमिका- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, सरस्वती मंदिर वारणासी ।
16. घनानंद और स्वच्छंद काव्य धारा - मनोहर लाल गौड, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
17. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना - डॉ.बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
18. भक्ति काव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र, पीपूल्स लिटरेसी 517 मटिया महल, दिल्ली - 110 061.
19. भक्ति काव्य स्वरूप और संवेदना - राम नारायण शुक्ल, संजय बुक सेंटर, वारणासी।

I-SEMESTER

PAPER-IV: HINDI PROSE

गध्य साहित्य: नाटक, उपन्यास, कहानी-संग्रह, निबंध

पाठ्यांश

इकाई -1 :निर्धारित उपन्यास का तत्वनिरूपण ।

इकाई -2 : निर्धारित नाटक और एकांकियों का तत्विक अध्ययन ।

इकाई -3 : सात स्रेष्ठ कहानियों का तत्व निरूपण ।

इकाई -4 :निबन्ध : समीक्षात्मक अध्ययन ।

निबन्धों की वस्तु
शुक्ल की जीवन दृष्टि
निबन्धों की संरचना
शुक्ल की निबन्ध कला

इकाई -5 :अध्यतन गध्य विधाएँ:

रेखा चित्र
जीवनी संस्मरण
रिपोर्ताज यात्रावृत
विविध गध्य विधाओं का विवेचनात्मक अध्ययन ।

पाठ्य पुस्तकें:

1. निर्मला : प्रेमचन्द ।
2. चन्द्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद ।
3. एकांकी संग्रह :स्रेष्ठ एकांकी - संपादक - डॉ.विजयपाल सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 23 दरियागंज, नई दिल्ली - 110002.
4. चिंतामणि : रामचन्द्र शुक्ल-भाग -1.
5. गध्य विविधा : हिन्दी साहित्य भंडार, 55 चौपाठिया रोड, लखनऊ-226003।

सहायक ग्रंथ:

हिन्दी उपन्यास प्रवृतियाँ और शिल्प:शशीभूषन सिहल ।

हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन: डॉ. यस.यन.गनेशन, राजकमल-संस, दिल्ली ।

हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास :दशरथ ओझा, राजपाल दिल्ली ।

हिन्दी कहानी :उद्भव और विकास ।

हिन्दी साहित्य में निबंध का विकास :ओंकारनाथ शर्मा, अनुसंधान प्रकाशन, कान्पूर ।

I-SEMESTER

PAPER-V: SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR-PREMCHAND
विशेष अध्ययन - प्रेमचन्द

पाठ्यांश

इकाई -1 : हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास-प्रेमचन्द तक ।

इकाई -2 :प्रेमचन्द का उपन्यस साहित्य : एक विहांगवलोकन, रचनाशीलता के प्रेरणास्रोत, हिन्दी प्रदेश के समाज के संरचना और समस्याएँ, प्रेमचन्द के उपन्यासों की केन्द्रीय वस्तु और विचारधारा ।

इकाई -3 :गोदान, सेवासदन, रंगभूमि का विस्तृत अध्ययन।

इकाई -4 :हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास: सामान्य परिचय प्रेमचन्द तक; प्रेमचन्द की कहानियों का परिचय और विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई -5 : भारतीय परि प्रेक्ष्य में प्रेमचन्द का विशेष अध्ययन: भारतीय उपन्यस की परंपरा और प्रेमचन्द ।

पाठ्य पुस्तकें:

1. उपन्यस: गोदान, सेवासदन, रंगभूमि ।
2. कहानियाँ : मानसरोवर भाग -1 (1-10 कहानियाँ मात्र) ।
3. कलम का सिपाही - प्रेमचंद - अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. प्रेमचन्द जीवनी और कृतित्व-हंसराज रहबर, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली ।
5. समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचन्द - महेन्द्र भटनागर, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणासी।

सहायक ग्रंथ:

1. प्रेमचन्द चिंतन और कला - इंद्रनाथ मदान, सरस्वति प्रेस, बनारस ।
2. प्रेमचन्द और गोदान : नव मूल्याकन - कृष्णादेव झरी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वारणासी ।
3. प्रेमचन्द आलोचनात्मक अध्ययन - राजनाथ शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आग्रा।
4. प्रेमचन्द : एक अध्ययन - राजेश्वर गुरू - एस, चन्द्र आण्ड को, दिल्ली ।
5. प्रेमचन्द की कहानियाँ - एक अध्ययन ।

II-SEMESTER
PAPER-I: HISTORY OF HINDI LITERATURE

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पाठ्यांश

इकाई -1 : आधुनिक काल : पृष्ठभूमि और काव्य : आधुनिककाल के सामाजिक, , राजनीतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संदर्भ, भारतीय नवजागरण और राष्ट्रीय आन्दोलन, नवीन साहित्यक चेतना का विकास, साहित्य के नये रूप और भाषा एवं शैली में नवीनता भारतेंदु और द्विवेदी युगीन काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और समकालीन कविता, आधुनिक हिन्दी काव्य धारा के सामाजिक संदर्भ और प्रवृत्तिमूलक ऐतिहासिक विकास और प्रमुख आधुनिक कवि ।

इकाई -2 :हिन्दी : गध्य साहित्य में आधुनिकता - बोध और साहित्यक प्रवृत्तियाँ, हिन्दी साहित्य के संदर्भ में ।

इकाई -3 :निबन्ध विधा: ऐतिहासिक विकास एवं वर्गीकरण, प्रतिनिधि निबंधकार और उनके निबंध।

इकाई -4 : हिन्दी उपन्यास का ऐतिहासिक विकास और वर्गीकरण, प्रतिनिधि उपन्यास कार और उनके उपन्यास।

हिन्दी कहानी का ऐतिहासिक विकास और वर्गीकरण, प्रतिनिधि कहानीकार और उनकी कहानियाँ।

इकाई -5 :अन्य साहित्यिक विधाए:एकांकी, रडियो नटक, रेखाचित्र, संस्मरण आदि। ऐतिहासिक विकास और वर्गीकरण, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ । समसमायिक, सामाजिक और सांस्कृतिक समस्याएँ और हिन्दी का समकालीन गध्य साहित्य।

पाठ्य पुस्तकें:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : संपादक, डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 23 दरिया गंज, नई दिल्ली-11 00 02.

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास-हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन,8-नेताजी सुभाश मार्ग, नई दिल्ली -11 00 02.
2. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग -1) :विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन वारणासी।
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्यक इतिहास:रामकुमार वर्मा, इलाहाबाद।
4. हिन्दी साहित्य: बीसवीं शताब्दी - नन्ददुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास - राजनाथ शर्मा - विनोद पुस्तक मंदिर, रांगेयराघव, अब आगरा-2

II-SEMESTER

PAPER-II: THEORY OF LITERATURE (WESTERN)
पाश्चात्य काव्य शास्त्र

पाठ्यांश

इकाई -1 :**पाश्चात्य काव्य शास्त्र (प्राचीन)**

प्लेटो- काव्य प्रेरणा का सिद्दांत, अनुकृति, काव्य पर आरोप।

अरस्तु- अनुकृति, त्रासदी और उसके तत्व, विरेचन ।

लोंजाइनस - काव्य में उदात्त तत्व, उदात्त की अवधारणा।

इकाई -2 :**पाश्चात्य काव्य शास्त्र:(अर्वाचीन)**

आई.एस.रिचर्डस् - मूल्य एवं सम्प्रेषण का सिद्दांत, भाषा के विशिष्ट प्रयोग, आलोचक के गुण।

टी.एस.इलियट: परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, वस्तुनिष्ठ समीकरण, निर्वैयक्तिकता का सिद्दांत।

एफ.आर.लेविस : मूल्य- विवेचन ।

इकाई -3 :मार्क्सवादी साहित्य चिंतन - आदाऱ और आदि रचना, साहित्य और वर्ग संघर्ष, साहित्य और विचार प्रणाली, आलोचनात्मक यथार्थवाद और समाजवादी यथार्थवाद, प्रतिबद्धता और पक्षधरता।

अस्तित्ववादी साहित्य चिंतन :

इकाई -4 :साहित्य रूपों का अध्ययन :

काव्य रूपों का अध्ययन: महाकाव्य, प्रबंध काव्य, मुक्तक काव्य, गीति काव्य, आदि।

इकाई -5 :आधुनिक गद्य विधाएँ :

1. उपन्यास और कहानी 2. नाटक और एकांकी 3. निबंध 4. रेखाचित्र 5. संस्मरण

पाठ्य पुस्तकें:

1. **पाश्चात्य काव्य शास्त्र** : डॉ.विजयपाल सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. **पाश्चात्य काव्य शास्त्र** : देवेंद्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

सहायक ग्रंथ:

1. भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र - डॉ. अर्चना श्रीवास्तव-विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्षी भवन, चौक पो. बां 1149, वारणासी।
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्दांत - डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली - 110 006.

II-SEMESTER

PAPER-III: MODERN POETRY
आधुनिक कविता

पाठ्यांश

इकाई -1 :आधुनिक शब्द की व्याख्या, मध्यकालीन संवेदना और आधुनिक संवेदना, आधुनिकता की दिशाएं, आधुनिक काव्य के प्रेरणा स्त्रोत, आधुनिक कविता का विकास, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग।

इकाई -2 :छायावादी कविता- छायावाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, छायावादी काव्य प्रवृतियाँ. प्रतिनिथि कवि, छायावादी कविता के आधार स्तंभ, प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी का काव्य विकास।

इकाई -3 :छायावादोत्तर काव्य - छायावादी काव्य और छायावदोत्तर काव्य की विभाजक रेखा और प्रगतिवाद।

इकाई -4 :प्रयोगवाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ ।

इकाई -5 :साठोत्तरी कविता - कविता के आयाम, समकालीन विशिष्ट रचनाकार।

पाठ्य पुस्तकें:

1. **हरिऔध-** प्रिय प्रवास- - प्रथम सर्ग ।
2. **जयशंकर प्रसाद-** कामायनी -- श्रद्वा ।
3. **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला**- राम की शक्ति पूजा ।
4. **सुमित्रानंदन पंत** - नौका विहार, ताज, भारत माता, द्दत झरो।
5. **महादेवी वर्मा** - धीरे- धीरे उतर क्षितिज से ।विरह का जलजात जीवन ।
   तुम मुझ में प्रिय ।मधुर - मधुर मेरे दीपक जल ।
   मैं नीर भरी - दुःख की बदली ।

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी साहित्य - बीसवीं शताब्दी - नंद दुलारे वाजपोयी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. आधुनिक साहित्य - - नंद दुलारे वाजपोयी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ - डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. छायावाद - नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. निराला की साहित्य साधना - भाग -दो- राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. क्रान्तिकारी कवि निराला - बच्चन सिंह।
9. कविता के प्रतिमान - डॉ. नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. समकालीन हिन्दी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।

II-SEMESTER
PAPER-IV: LINGUISTICS
भाषा विज्ञान

पाठ्यांश

इकाई -1 :भाषा की परिभाषा - भाषा की संरचना - भाषा विकास के मूल कारण - भाषा के विविध रूप, भाषा विज्ञान की परिभाषा - भाषा विज्ञान की शखाएँ। भाषाओं का आकृतिमूलक वर्गीकरण, भाषा विज्ञान का इतिहास - मुनित्रय, पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि ।

इकाई -2 :ध्वनि विज्ञान - ध्वनि तथा भाषा ध्वनि में अंतर, ध्वनि यंत्र -विभिन्न आधारों पर ध्वनियों का वर्गीकरण। ध्वनि परिवर्तन के कारण और ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ-ध्वनि गुण - ध्वनि नियम - बर्नर नियम - ग्रिम नियम, ग्रासमैन नियम।

इकाई -3 :रूप विज्ञान-रूप और शब्द में अंतर - रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ ।

इकाई -4 :अर्थ विज्ञान - अर्थ परिवर्तन के कारण और अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ। शब्द विज्ञान शब्द की परिभाषा - शब्दों का वर्गीकरण - शब्द भण्डार में परिवर्तन के कारण।

इकाई -5 :वाक्य विज्ञान - वाक्य की परिभाषा, वाक्यों के प्रकार, वाक्य गठन में परिवर्तन के कारण ।

पाठ्य पुस्तक:

1. **भाषा विज्ञान** - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद.।

सहायक ग्रंथ:

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
2. सामान्य भाषा विज्ञान - बबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

II-SEMESTER
PAPER-V: SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR -DINAKAR
विशेष अध्ययन - दिनकर

पाठ्यांश

इकाई -1 :दिनकर - व्यक्तित्व और कृतित्व - युग परिवेश ।

इकाई -2 : हुँकार - वस्तु और विचार के स्वरूप का विवेचन ।

इकाई -3 :कुरूक्षेत्र - वस्तु और विचार के स्वरूप का विवेचन ।

इकाई -4 :रश्मिरथी - वस्तु और विचार के स्वरूप का विवेचन ।

इकाई -5 :ऊर्वशी - वस्तु और विचार के स्वरूप का विवेचन ।

Noncore: History& Structure of Hindi Language

III-SEMESTER
PAPER-I: OFFICIAL LANGUAGE HINDI
राजभाषा हिन्दी - I

पाठ्यांश

इकाई -1 : भारत सरकार की राजभाषा नीति ।
भारत में राजभाषा का इतिहास ।

इकाई -2 :भारतीय संविधान और राष्ट्रपति के आदेश:

1. भारत के संविधान में राजभाषा संबंधि प्रावदान (अनुच्छेद एवं अष्टम अनुसूची)
2. भारत के राष्ट्रपति द्वारा जारी किए गए आदेश ।
3. राजभाषा आधिनियम, 1963 (यथासंशोधित)
4. राजाभाषा संकल्प, 1968 ।
5. राजभाषा नियम, 1976 (यथासंशोधित)

इकाई -3 :राजभाषा से संबधित कार्यात्मक निकायों का गठन :

1. राजभाषा विभाग ।
2. केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय ।
3. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग ।
4. विधि शब्दावली आयोग ।
5. केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो ।
6. हिन्दी शिक्षण योजना/केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान ।

इकाई -4 :विविध समितियों का गठन और उनके कार्यकलाप ।

1. केन्द्रीय हिन्दी समिति ।
2. संसदीय राजभाषा समिति ।
3. हिन्दी सलाहकार समिति ।
4. नगर राजभाषा कार्यन्वयन समिति ।
5. राजभाषा कार्यन्वयन समिति ।

इकाई -5 :राजभाषा निति के कार्यान्वयन के पहलू -

1. राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित प्राथमिक अपेक्षाएँ ।
2. हिन्दी में कार्य करने की यांत्रिक सुविधआएँ और उन पर प्रशिक्षण ।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी से संबंधित संदर्भ साहित्य ।

4. भारत सरकार के अन्य महत्वपूर्ण अनुदेश ।
5. क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालयों का गठन ।
6. वार्षिक कार्यक्रम ।
7. हिन्दी / हिन्दी टंकण / आशुलिपि सेवाकालीन प्रशिक्षण ।
8. प्रोत्साहन योजनाएँ ।
9. कार्यालयों/कर्मचारियों की जिम्मेदारियाँ ।

<u>पाठ्य पुस्तकें:</u>

1. राजभाषा हिन्दी - डॉ.कैलाश चन्द्र भाटिया पब्लिकेशन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. व्यावहारिक राजभाषा -Noting & Drafting, डॉ. आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, 3-14, 3014 चरक्केवालान, दिल्ली - 110061.
3. राजभाषा प्रबन्धन - गोवर्धन ठाकुर, मैथिलि प्रकाशन हैदराबाद ।

<u>सहायक ग्रंथ:</u>

1. हिन्दी आलेखन, रामप्रसाद किचलू, राजेश्वर, पब्लिकेशन, 19 बी/13 एलगिन रोड, इलाहाबाद ।

III-SEMESTER

PAPER-II: INDIAN LITERATURE
भारतीय साहित्य

पाठ्यांश

इकाई -1 :भारतीय साहित्य का स्वरूप

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप एवं उद्धेश्य ।
2. भारतीय साहित्य का सामासिक स्वरूप ।

इकाई -2 :भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्यएँ -

1. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्यएँ-
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास - लेखन की समस्या ।

इकाई -3 :भारतीयता का समाजशास्त्र और हिन्दी - साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्त ।

इकाई -4 :बंगला साहित्य का इतिहास

1. बंगला भाषा का सामान्य परिचय ।
2. पूर्व - मध्यकालीन बंगला साहित्य ।
3. उत्तर - मध्यकालीन बंगला साहित्य ।
4. बंगला भाषा में विद्यासुन्दर काव्य ।
5. बंगला भाषा में शैव-सिद्ध साहित्य ।
6. बंगला साहित्य के सन्धिकाल का परिचय ।
7. सामयिक पत्रों का आविर्भाव और प्रभाव ।
8. 19वीं शताब्दी का बंगला-काव्य।
9. बंगला गद्य और ईश्वरचनद्र विद्यासागर ।
10. 19वीं शताब्दी का बंगला-काव्य।
11. 20वीं शताब्दी का बंगला साहित्य का विकास ।
12. बंगला नाटक का उद्भव और विकास ।
13. बंगला भाषा का उपन्यास साहित्य ।
14. बंगला भाषा का कहानी साहित्य ।
15. बंगला साहित्य में रवीन्द्रनाथ का योगदान ।
16. बंगला भाषा के गद्य साहित्य का उद्भव और विकास ।

इकाई -5 **अ**:उपन्यास - अग्निगर्भ - महाश्वेता देवी ।

1. सन् 1967 के नक्सलवादी आन्दोलन ।
2. "अग्निगर्भ" उपन्यास के सन्दर्भ में लेखिका के विचार ।
3. "अग्निगर्भ" उपन्यस के कथानक ।
4. राजनीतिक दलों के सन्दर्भ में काली साँतरा के विचार ।
5. बसाई दूडू (दोरू) का चरित्र -चित्रण ।

6. काली साँतरा का चरित्र-चित्रण ।
7. " अग्निगर्भ" उपन्यास में देश-काल का वर्णन ।
8. देउकी मिसिर का चरित्र-चित्रण ।
9. मातो डोम का चरित्र-चित्रण ।
10. बतूल का चरित्र-चित्रण ।
11. लस्कर का चरित्र-चित्रण ।
12. द्रोपदी का चरित्र-चित्रण ।
13. " अग्निगर्भ" उपन्यास की भाषा - शैली ।
14. मघई का चरित्र-चित्रण ।
15. " अग्निगर्भ" उपन्यास के नाम की सार्थकता ।

आ<u>कविता-संग्रह : वर्षा की सुबह (उडिया - सीताकांत महापात्र)</u> ।

1. " वर्षा की सुबह" संग्रह में संकलित कविताओं का परिचय ।
2. सीताकान्त महापात्र की कविताओं का मूल्यांकन ।
3. " वर्षा की सुबह" के आधार पर सीताकांत महापात्र की भाषा-शैली ।
4. " वर्षा की सुबह" संग्रह में संग्रहित कविताओं की विशेषताएँ ।

उ <u>नाटक : हयवदन (कन्नड-गिरीश कर्नाड)</u>।

1. नाटक का परिचय ।
2. नाटक की कथावस्तु ।
3. नर और नारी की अपूर्णता ।
4. देवदत्त का चरित्र-चित्रण ।
5. कपिल का चरित्र-चित्रण ।
6. पद्मिनि का चरित्र-चित्रण ।

पाठ्य पुस्तकें:

1. डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी और डॉ. अशोक तिवारी, हरीश प्रकाशन मन्दिर, 301, गोलग्न पेलेस (प्रथमतल) अस्पताल मार्ग, आगरा - 282003. (उ,प्र).

सहायक ग्रंथ:

1. तुलनात्मक अध्ययन - तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - इन्द्रनाथ चौधरी, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा,
2. समकालीन भारतीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।
3. तुलनात्मक साहित्य - डॉ. नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
4. भारतीय भाषाओं का संक्षिप्त इतिहास - केंन्द्रीय हिन्दी निर्देशालय ।
5. तुलनात्मक साहित्य - संपादक राजूरकर, राजकमल बोरा,
6. भारतीय आलोचना शास्त्र - राजवंश सहाय, निहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ।
7. भारतीय साहित्य का समेटिक इतिहास - डॉ. नगेन्द्र ।

III-SEMESTER
PAPER-III: HINDI LITERATURE OF ANDHRAS
आन्ध्रों का हिन्दी साहित्य काव्यधारा

पाठ्यांश

इकाई -1 :आन्ध्रों का हिन्दी साहित्य -पुष्ठभूमि और परंपरा

इकाई -2 :कर्णवीर नागेश्वरराव की जीवनी तथा कृतित्व ।

दलितों की विनती की कथावस्तु ।

दलितों की विनती का भावपक्ष ।

दलितों की विनती में चित्रित दलित वर्ग की समस्याएँ ।

दलितों की विनती का सामाजिक पक्ष ।

दलितों की विनती में अभिव्यंजित कवि की प्रगति शाल विचार धारा ।

इकाई -3 :आलूरी बैरागी की रचनाओं का परिचय ।

पलायन में अभिव्यजित प्रेम-भावना ।

पलायन में अभिव्यजित सामजिक विचार ।

पलायन में अभिव्यजित स्वच्छंदता वादी प्रवृत्तियाँ ।

पलायन में अभिव्यजित मानवतावादी प्रवृत्तियाँ ।

पलायन की वस्तुगत विशेषताएँ ।

मुक्तक काव्य के रूप में पलायन की समीक्षा ।

दक्षिण हिन्दी कवियों में आलूरि बैरागी का स्थान ।

इकाई -4 :आन्ध्रों के अन्य हिन्दी कवि

1. ----
2. ---
3. ----

इकाई -5 :हिन्दी कविता के विकास में आन्ध्रों की देन ।

पाठ्य पुस्तकें:

1. दलितों की विनती - कर्ण वीरनागेश्वर राव ।
2. पलायान - आलूरि बैरागी - बि.एन.के. प्रेस, C/o बिक्री विभाग, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास ।

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी कविता के आन्ध्रों की देन - डॉ. वाई. लक्ष्मी प्रसाद ।
2. अंतर भारती - आचार्य जी. सुंदर रेड्डी ।
3. हिन्दी को दक्षिण की देन - आचार्य. जी. सुन्दर रेड्डी ।

III-SEMESTER
PAPER-IV: TRANSLATION
अनुवाद विज्ञान

पाठ्यांश

इकाई -1 :अनुवाद शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा और स्वरुफ ।

I. अनुवाद की प्रक्रिया ।II. अनुवाद के प्रकार ।

III. अनुवाद की शौलियाँ ।IV. अनुवाद और भाषा विज्ञान ।

V. अनुवाद क्या है ? शिल्प, कला, विज्ञान ।

इकाई -2 :साहित्य के अनुवाद की समस्यएँ ।

काव्यानुवाद की समस्याएँ और मुहावरों तथा लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ ।

इकाई -3 :अनुवाद की व्यावहारिक कठिनाईयाँ और वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ ।

इकाई -4 :कार्यालय साहित्य के अनुवाद की समस्यएँ ।

इकाई -5 :पारिभाषिक व तकनीकी शब्दावली का निर्माण और अनुवाद की समस्याएँ : अनुवाद पुनरीक्षण, मूल्यांकन ।

पाठ्य पुस्तकें: अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली ।

सहायक ग्रंथ:

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी सिद्धांत और व्यवहार -डॉ. रघुनंदन प्रसाद शर्मा, विश्व विद्यालय प्रकाशन, वारणासी ।
2. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल ।
3. अनुवाद कला - विश्वनाथ अय्यर, पराग प्रकाशन, दिल्ली ।
4. प्रमाणिक आलेखन और टिप्पणी - विरज, विश्वविद्यालय प्रकाशन ।
5. व्यावहारिक हिन्दी - डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, अन्सारी रोड, दिल्ली - 110 002.
6. अनुवाद कला - सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, अन्सारी रोड, दिल्ली - 110 002.
7. हिन्दी में सरकारी कामकाज, राजविनायक सिंह, हिन्दी प्रचारक पब्लिकेशनस् प्रा.लि. सी. 21/30 पिशाचमोचन, वारणासी - 221 010.
8. प्रयोजन मूलक हिन्दी - डॉ. विनोद गोदर, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली।
9. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. रामप्रकाश, डॉ.दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - 110 002.
10. व्यवहारिक हिन्दी और भाषा संरचना, डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, नरेन्द्रप्रकाशन जैन, मोतीलाल बनारसीदास, बंगला रोड, दिल्ली - 110 002.
11. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. कमल कुमार बोस, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, 28शांपिग सेन्टर, करभुपरा, नई दिल्ली - 110 005.

III-SEMESTER
PAPER-V: SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR - KABIRDAS
विशेष अध्ययन - कबीरदास

पाठ्यांश

इकाई -1 : भक्ति आन्दोलन और कबीर।
मध्यकालीन युगीन परिस्थितियाँ।
संत काव्य परम्परा और निर्गुणमत ।

इकाई -2: कबीर की जीवनी एवं व्यक्तित्व
कबीर का साहित्य ।
कबीर की सामाजिक विचारधारा।

इकाई -3 :निर्गुण भक्ति एवं कबीर ।
कबीर की दार्शनिक विचारधारा ।
कबीर का रहस्यवाद ।

इकाई -4 :कबीर का काव्य-शिल्प ।
कबीर का उलटबासियाँ ।
कबीर की प्रसंगिकता ।

इकाई -5 :कबीर के साहित्य में प्रयुक्त कुछ पारिभाषिक शब्द-अजपाजाप, अनहदनाद, उनमन, निरंजन, सुरति निरति सहज, शून्य नाद-बिन्दु औधा कुआँ ।

अ विस्तृत अध्ययन और व्याख्या केलिए स्वीकृत पाठ्य क्रम ।

1.गुरूदेव कौ अंग ।
2. विरह कौ अंग ।
3. परचा कौ अंग ।
4. माया कौ अंग ।
5. उपदेश कौ अंग ।

आ पद : 1 से 30 तक ।

पाठ्य पुस्तक:

1. कबीर ग्रंथावली - संपादक - संपादक डॉ. श्याम सुन्दर दास ।
   प्रकाशक, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

सहायक ग्रंथ:

1. कबीर की विचार धारा - गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्यनिकेतन, कानपुर ।
2. हिन्दी का निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पुष्ठभूमि - डॉ. गोविन्द त्रगुणायत, साहित्यनिकेतन कानपुर ।
3. निर्गुण काव्य-प्रेरणा और प्रवृत्ति - डॉ. रामपाण्डेय, सद्भाव निरंजन, प्रकाशन, दिल्ली ।
4. सन्तों की सांस्कृतिक संसुति - डॉ. राज रतन पाण्डेय, उपकार प्रकाशन, दिल्ली ।
5. कबीर मीमांसा - डॉ. रामचन्द्र तिवारी - लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
6. कालजयी कबीर- सम्पादाक-हर महेंद्र सिंह बेदी, गुरूनानक देव युनिवर्सिटी, अमृतसर।
7. कबीर साहित्य की परख - परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
8. कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
9. हन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय - पीताम्बर दत्त बडथ्वाल अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनाऊ ।
10. कबीर - व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धांत - सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, गुलावपुरा ।
11. संतों राह दुओ हम दीठा - सम्पादक - भगवानदेव पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणासी ।
12. कबीर दर्शन - रामजी लाल सहायक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनाऊ ।
13. आधुनिक कबीर - डॉ. राजदेव सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद ।
14. कबीर समग्र - प्रथम शण्ड, द्वितीय खण्ड - प्रो. पुगेश्वर, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वारणासी ।

Noncore: Translation Methodology and Practice

IV-SEMESTER
PAPER-I: OFFICIAL LANGUAGE HINDI
राजभाषा हिन्दी-II

पाठ्यांश

इकाई -1 :**हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली**:पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषा और स्वरूप ।

1. हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली संबंधी सरकारी नीति और हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों की संरचना संबंधी सिद्धांत ।
2. हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों के निर्माण की प्रक्रिया ।
3. पारिभाषिक शब्दावली के अध्ययन में प्रामाणिक संस्थागत कार्य ।
4. पारिभाषिक शब्दों के प्रयोग से संबंधित कठिनाइयाँ ।

इकाई -2 :**हिन्दी में टिप्पण लेखन:**

1. कार्यालयीन टिप्पण लेखन से संबंधित सामान्य सिद्धांत और नियम ।

इकाई -3 :हिन्दी में पत्राचार के विविध प्रकार और उनका प्रारूप लेखन:

1. पत्राचार के प्रकार :(सरकारी पत्र, अर्ध-सरकारी पत्र, अनुस्मारक, अंतर कार्यालय ज्ञापन, पृष्ठांकन आवेदन, अभ्यावेदन इत्यादि) ।
2. राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) में विनिर्दिष्ट विविध कार्यालयीन दस्तवेजों का हिन्दी में प्रारूप लेखन (आदेश, परिपत्र, नियम, अधिसूचनाएँ, निविदा सूचनाएँ, संविदाएँ, करार, प्रतिवेदन इत्यादि) ।

इकाई -4 : राजभाषा-पत्रकारिता :

1. पत्रकारिता के सामान्य सिद्धांत प्रकार और प्रवृत्तियाँ ।
2. प्रसार - प्रचार का माध्यम एवं पत्रकारिता ।
3. पत्रकारिता की भाषा ।
4. हिन्दी में समाचार / संवाद - लेखन ।
5. पत्र - पत्रिकाओं का संपादन ।
6. हिन्दी में व्यवहारिक पत्रकारिता ।
7. पत्रकार/संवाददाता की जिम्मेदरियाँ ।

इकाई -5 :हिन्दी कंप्यूटरीकरण और सूचना पौध्यौगिकी के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी शब्द संसाधन ।

<u>पाठ्य पुस्तकें:</u>

1. **राजभाषा हिन्दी** : डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया पब्लिकेशन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. **व्यवहारिक राजभाषा** : Noting & Drafting डॉ. आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, 3-14, 3014 चरक्केवालान, दिल्ली - 110061.
3. **राजभाषा प्रबंधन** : गोवर्थन ठाकुर, मैथिली प्रकाशन, हैदराबाद ।

<u>सहायक ग्रंथ:</u>

1. हिन्दी आलेखन, रामप्रसाद विचूल, राजेश्वर पब्लिकेशनस, 19 बी/3 एलगिन रोड. इलाहाबाद ।

IV-SEMESTER
PAPER-II: COMPARATIVE LITERATURE
तुलनात्मक अध्ययन

पाठ्यांश

इकाई -1 :तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की प्रविधि :

1. तुलनात्मक साहित्य, परिभाषा और स्वरूप विवेचन - साम्य और वैषम्य ।
2. तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की प्रविधि - 1: सादृश्य संबंधात्मक प्रविधि, अध्ययन की परंपरा प्रविधि, प्रभाव प्रविधि, अध्ययन की स्वीकृति तथा संचार प्रविधि, सौभाग्य प्रविधि, संबंधात्मक प्रविधि ।
3. तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की प्रविधि - 2 : वस्तुबीज थिमेटिक्सी की दृष्टि से तुलनात्मक अध्ययन, नव रूपायन (प्रो. फिगरेशन) की दृष्टि से तुलनात्मक अध्ययन - गृहित अध्ययन (रिषेप्शन स्टडीज) की दृष्टि से तुलनात्मक अध्ययन, आदान-प्रदान तथा अन्य प्रकार ।
4. तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका ।

इकाई -2 :भारतीय साहित्य की अवधारणा :

1. तुलनात्मक भारतीय साहित्य और भारतीय साहित्य के इतिहास की संकल्पना ।
2. तुलनात्मक आलोचना और उसका नया रूप : अंतर विकर्ती आलोचना का स्वरूप विश्लेषण ।

इकाई -3 : हिन्दी - तेलुगु साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन :

1. कालखंड- आदिकाल-मध्यकाल-आधुनिक काल- हिन्दी और तेलुगु का इतिहास और दृष्टियाँ - तुलनात्मक अध्ययन ।

इकाई -4 :प्रवृत्ति की दृष्टि से हिन्दी - तेलुगु तुलनात्मक अध्ययन :

1. प्रगतिवाद और अभ्युदय कविता
2. छायावाद और भाव कविता
3. प्रयोगवाद और दिगंबर कविता
4. समकालीन हिन्दी - तेलुगु कविता

इकाई -5:साहित्य विधा की दृष्टि से हिन्दी - तेलुगु साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन।

<u>पाठ्य पुस्तकें:</u>

1. **तुलनात्मक शोध और समीक्षा** : पी. आदेश्वर राव, प्रगति प्रकाशन, आगरा ।
2. **हिन्दी और तेलुगु कवियों का तुलनात्मक अध्ययन** : शिव सत्यनारायण ।

<u>सहायक ग्रंथ:</u>

1. तुलनात्मक साहित्य - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,नई दिल्ली ।
2. तुलनात्मक साहित्य की भिका - इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल, दिल्ली ।
3. साहित्य सिद्धांत - रेनेवेलेक आण्ड आस्टिनरेन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. स्वच्छंदतावादी काव्य का तुलनात्मक अध्ययन - पी. आदेश्वर राव, प्रगति प्रकाशन, आगरा ।
5. सुमित्रानंदन पंत और कृष्णाशास्त्री : एक तुलनात्मक अध्ययन - डॉ.पी.ए. राजु, आन्ध्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाल्टेर।
6. हिन्दी और तेलुगु के कृष्णा काव्यों का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. के, रामनाथन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
7. आंध्र हिन्दी रूपक - डॉ. आई. पांडुरंगाराव ।
8. आधुनिक हिन्दी - तेलुगु काव्यधाराओं का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. एस.सूरप्पडु, ऋषभचरण जैन एवं संतति, दरियागंज, दिल्ली ।
9. भारतीय उपन्यास साहित्य की भूमिका - डॉ. आर. एस. सर्राजु, सीताप्रकाशन, मोती बाजार, हाथरता ।
10. हिन्दी और तेलुगु की प्रगतिवादी काव्यधाराओं का तुलनात्मक अध्ययन-रामनायुडु - दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास ।
11. आधुनिकता बोध और तेलुगु काव्यधारा के संदर्भ - डॉ. आर. एस. सर्राजु, सीताप्रकाशन, मोती बाजार, हाथरता ।
12. हिन्दी और तेलुगु तुलनात्मक अध्ययन - प्रो. जी. सुंदर रेड्डी ।
13. हिन्दी तेलुगु कहानियों का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. एस.एम. इगबाल, ऋषभचरण जैन एवं संतति, दरियागंज, दिल्ली ।
14. हिन्दी और तेलुगु नीतिकाव्यों का तुलनात्मक अध्ययन - के. शिव सत्यनारयण ।

IV-SEMESTER
PAPER-III: HINDI LITERATURE OF ANDHRAS
आंध्रों का हिन्दी साहित्य (गद्य)

पाठ्यांश

इकाई -1 : नदी का शोर - आरिगपूडि - आलोख प्रकाशन - दिल्ली ।
"प्रतिशोध"उपन्यास - डॉ. मल्लिकार्जुन राव ।

इकाई -2 :बैसाखी (कहानी-संग्रह) - श्री बालशौरि रेड्डी ।

इकाई -3 : आलोचनात्मक निबंध :

1. प्रे.पी. आदेश्वर राव
2. प्रो.जी. सुन्दर रेड्डी
3. प्रो. भीमसेन निर्मल सूर्यनारायणवर्मा।
4. प्रो.वै.ल्क्ष्मी प्रसाद
5. प्रो. एस. ए. सूर्यनारायणवर्मा

इकाई -4 :आन्ध्रों का समकालीन गध्य साहित्य

इकाई -5 :आन्ध्रों का अनुवाद साहित्य: तेलुगु से हिन्दी और हिन्दी से तेलुगु।

पाठ्य पुस्तकें:

1. नदी का शोर-अरिगपूडि रमेशचौधरी।
2. प्रतिशोध-डा के.मल्लिकार्जुन राव।
3. बैसाखी- डा बाल शौरि रेड्डी।

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी कविता को आन्ध्रों की देन - डा वै.लक्ष्मी प्रसाद ।
2. आन्ध्रों का उपन्यासेतर गद्य साहित्य - निबंध - आन्ध्र के हिन्दी निबंधकार।
3. अंतर भारती - आचार्य जी.सुंदर रेड्डी ।
4. आन्ध्र को दक्षिण कि देन - आचार्य जी. सुंदर रेड्डी।

IV-SEMESTER
PAPER-IV: HISTORY OF HINDI LANGUAGE
हिन्दी भाषा का इतिहास

पाठ्यांश

इकाई -1 : A. संसार की भाषाओं का ऐतिहासिक (परिवारिक) वर्गीकरण ।
B. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास - सस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश ।
C. हिन्दी तथा अन्य भारतीय आर्य भाषाएँ, भारतीय आर्य भाषाओं का-वर्गीकरण-ग्रियर्सन तथा चटर्जी के अभिमत

इकाई -2 :हिन्दी भाषा का स्वरुप तथा हिन्दी की बोलियाँ ।

इकाई -3 :हिन्दी कारकों का विकास और इतिहास ।

इकाई -4 :हिन्दी के सर्वनामों का विकास और इतिहास ।

इकाई -5 :भारत की प्राचीन लिपियाँ - खरोष्ठी और ब्राह्मी, देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास

पाठ्य पुस्तकें:

1. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद ।
2. हिन्दी भाषा -भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद ।

सहायक ग्रंथ:

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
2. हिन्द भाषा और लिपि-धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।
3. सामान्य भाषा विज्ञान - बबूराम सक्सेना, हिन्दी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।
4. हिन्दी : उद्भव, विकास और रूप - हरदेव बाहरी, किताब महल इलाहाबाद ।
5. हिन्दी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।

IV-SEMESTER
PAPER-V: SPECIAL STUDY – CHAYAVAD
विशेष अध्ययन : छायावाद

पाठ्यांश

इकाई -1 : स्वच्छन्द और छायावाद-छायावाद में रहस्यानुभूति का स्वरूप, छायावादी कविता में स्वच्छन्द कल्पना-छायावदी कवियों के राष्ट्रीय गीत-छायावादी कवियों का सौन्दर्य-बोध-छायावादी काव्य बिम्बविधान-छायावादी काव्यभाषा की विशेषताएँ-छायावादी प्रबन्धकल्पना की नवीनता।

इकाई -2 : प्रसाद का जीवन-दर्शन-समरसता और अनन्दवाद- सौन्दर्य-बोध-कामायनी की प्रतीक-पद्धति-कामायनी का महाकाव्यत्व।

इकाई -3 : निराला के काव्य में क्रांति चेतना-सरोज-स्मृति और शोक-गीत- "राम की शक्ति पूजा" की विशेषताएँ-कुकुरमत्ता का ऐतिहासिक . महत्वमुक्तछंद।

इकाई -4 : पंत के विम्ब - पन्त की काव्ययात्रा के विविध सोपान -"पल्लव" की भूमिका प्रकृति चित्रण - कल्पनाशीलता - पन्त की काव्य भाषा - पन्त की सौन्दर्य चेतना।

इकाई -5 : महादेवी के काव्य में गीति तत्व - रहस्यवाद - वेदना का स्वरूप - महादेवी की काव्य-भाषा।

पाठ्य पुस्तकें:

1. कामायनी - प्रसाद - चिंता, श्रद्धा, आनंद
2. राम की शक्ति पूजा - निराला - कविताएँ
    i. सरोज स्मृति
    ii. कुकुरमुत्ता
3. पल्लव - पंत
4. संधिनी - महादेवी

<u>सहायक ग्रंथ:</u>

1. कवि निराला - नंददुलारे वाजपेयी - मैरूमिलन, दिल्ली।
2. क्रांतिकारी कवि निराला - बच्चन सिंह - विश्वविद्यालय, वारणासी।
3. प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर - भारती अण्डारख प्रयाग ।
4. कामायनी के अध्ययन की समस्यायों - नगेन्द्र, नेशनल - दिल्ली।
5. सुमित्रानंदन पंत - नगेन्द्र - नेशनल
6. कवि पंत और उनकी छायावादी रचनाएँ - प्रो.पी,ए. राव, प्रगति प्रकाशन, आगरा।

II-SEMESTER
PAPER-VI: THE HISTORY AND STRUCTURE OF HINDI LANGUAGE
NON-CORE

<u>पाठ्यांश</u>

<u>इकाई -1</u> :भाषा की परिभाषा - भाषा की संरचना - भाषा विकास के मूल कारण - भाषा के विविध रूप, भाषा विज्ञान की परिभाषा - भाषा विज्ञान की शखाएँ। भाषाओं का आकृतिमूलक वर्गीकरण, भाषा विज्ञान का इतिहास - मुनित्रय, पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि ।

A. संसार की भाषाओं का ऐतिहासिक (परिवारिक) वर्गीकरण ।
B. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास - सस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश ।
C. हिन्दी तथा अन्य भारतीय आर्य भाषाएँ, भारतीय आर्य भाषाओं का- वर्गीकरण-ग्रियर्सन तथा चटर्जी के अभिमत

<u>इकाई -2</u> :ध्वनि विज्ञान - ध्वनि तथा भाषा ध्वनि में अंतर, ध्वनि यंत्र -विभिन्न आधारों पर ध्वनियों का वर्गीकरण। ध्वनि परिवर्तन के कारण और ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ-ध्वनि गुण - ध्वनि नियम - बर्नर नियम - ग्रिम नियम, ग्रासमैन नियम।

:हिन्दी भाषा का स्वरुप तथा हिन्दी की बोलियाँ ।

<u>इकाई -3</u> :रूप विज्ञान-रूप और शब्द में अंतर - रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ ।
हिन्दी कारकों का विकास और इतिहास ।

<u>इकाई -4</u> :अर्थ विज्ञान - अर्थ परिवर्तन के कारण और अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ। शब्द विज्ञान शब्द की परिभाषा - शब्दों का वर्गीकरण - शब्द भण्डार में परिवर्तन के कारण।
हिन्दी के सर्वनामों का विकास और इतिहास ।

<u>इकाई -5</u> :वाक्य विज्ञान - वाक्य की परिभाषा, वाक्यों के प्रकार, वाक्य गठन में परिवर्तन के कारण ।
भारत की प्राचीन लिपियाँ - खरोष्ठी और ब्राह्मी, देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास

<u>पाठ्य पुस्तक:</u>

2. **भाषा विज्ञान** - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद.।
3. हिन्दी भाषा -भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद

<u>सहायक ग्रंथ:</u>

6. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
7. हिन्द भाषा और लिपि-धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।
8. सामान्य भाषा विज्ञान - बबूराम सक्सेना, हिन्दी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।
9. हिन्दी : उद्भव, विकास और रूप - हरदेव बाहरी, किताब महल इलाहाबाद ।
10. हिन्दी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।